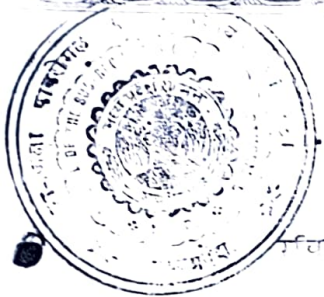




॥ श्री ॥

:-: मकान का विक्रय पत्र :-:



महेश्वर प्रसाद पिता मोती राम चौधरी उम्र ५५ वर्ष निवासी पानसेमल तहसील ल सैधावा जिला पंचायत गंगाखुर्दा	हरीद्वार
गंगाकृष्ण पिता लालमाधव शुक्ल उम्र ७५ वर्ष निवासी पानसेमल तहसील ल सैधावा जिला पंचायत गंगाखुर्दा	विक्रयदार

मैं विक्रयदार हरीद्वार को यह मकान का विक्रय पत्र आपके हक्क में लिख देना हूँ ऐसा के :-:-

ग्राम पानसेमल के नदी गोद मोहल्ले में का मकान नं० २६२ उक्थान्या क्वेद्वार बना हुआ पूर्व - पश्चिम हस्ती बना हुआ जिसकी लम्बाई - चौड़ाई व चहुँदो सीमा निम्नवत् है का मकान मेरे मालकी का होकर के ग्राम पंचायत पानसेमल के भवन स्वयं गौरी का रजिस्ट्रार वर्ष ७३ + ७४ में लालमाधव सुन्दरीन मालिक गंगाकृष्ण पिता लालमाधव शुक्ल के नाम से दफ्त है ।

लम्बाई :- पूर्व - पश्चिम फीट ४५ (फैंफाल्स) मात्र है ।

चौड़ाई :- उत्तर - दक्षिण फीट ६६ (काठ) मात्र है ।

पूर्व में स्वयं पश्चिम में :- साम गहना है । उत्तर में :- गली है । (सावजनिक पंचायत के ५ फीट

दक्षिण में :- रविशंकर गंगाकृष्ण का मकान है ।

सो उक्त वाद हद तथा चहुँदो सीमा के बिच के मकान में से बाधा मकान



- : २ : -

उत्तर मकान का निम्न लम्बाई - चौड़ाई व चहुँ : सीमा के विषय का आपको छोटा के लिये रुपये १४,००० अर्थात् चौदह हजार रुपये में विक्रय किया है - तथा विक्रय के रुपये १४,००० अर्थात् चौदह हजार रुपये भी मैंने आपसे नगद ले लिये हैं, अब लेना बाकी नहीं रहा है, तथा विक्रय किये मकान का कब्जा भी मैंने आपको दे दिया है।

विक्रय किये मकान का लम्बाई - चौड़ाई :-

लम्बाई :- पूर्व - पश्चिम फीट ४५ (फैटाल्स) है।

चौड़ाई :- उत्तर - दक्षिण फीट ३३ (नेटिस) है।

चहुँ : सीमा :-

पूर्व में, एवं पश्चिम में :- आम रास्ता है।

उत्तर में :- गली है। दक्षिण में :- बचन मकान ३३ फीट चौड़ाई का जो कन्थु शिवराम चौधरी को विक्रय किया है।

सो उक्त विक्रय किये मकान को मैंने आपको म्य त्वेइमलेमगले मुहा विक्रय किया होला के विक्रय नाते से मकान का कब्जा भी मैंने आपको दे दिया है, सो सदर मकान पर आज से आपने अपना कब्जा मालकाना नाते से कगके उसका उपभोग वंश परंप पर लेने रहना यावत्त जहरत के किसी अन्य को विक्रय करना या सदर मकान को नविन सिरे से बान्धना संपूर्ण अधिकार आपको प्राप्त रहेंगे।

विक्रय किये मकान के निम्नवत पैग या मेरे किसी भी वारीसदारी का किसी भी प्रकार का दावा - फगहा कौगह रहा नहीं है अगर कोई भी दावा फगहा करेगा तो वे इस लेख व्दाग नाजायज व फुठे माने जावेंगे।



- : 3 : -

विक्रय किये मकान पर किसी का लेना निकलना नहीं है निकलेगा तो उसकी पुगी पुगी जवाबदागी मेरी रहेगी तथा विक्रय किये मकान को कहीं भी गिरवी - जफ्त में तथा बंधक में रिक्या नहीं है निकलेगा तो उसकी पुगी पुगी जवाबदागी मेरी रहेगी ।

विक्रय किये मकान को नामान्तरण के कारणावधि आपने नाम पंवाचन गान्धोल के कारणाध्य में रिकोव्ट करके पंवाचन के रेकार्ड में से विक्रय किये मकान पर ले लेना नाम का कावाकरके मेरी नाम को जगह आकातान दजे खवा लेना - अधिकाय आपको रहेगा । उसमें कोई भी आपसे करेगी तो नाजायज व फुटे माने जावेंगे ।

रिक्लाजा यह मकान का विक्रय पर मैंने मेरी गज्जी दुशी से बिना को पानि के सौ शो हवाश में लिखाया तथा पहवाकर हुना तथा मैंने मेरी स्वेच्छा से जो गनद करें व वक्त जलान के काम आवें सो सही दिनांक:- २५-४-७३

गवाह:-

सही :-

१:- शिवदास शहास्ते

- J. H. B. - - - -

२:- ब्रह्मचर्य लोन्की

३. ...

४. ...

५. ...

६. ...



60Rs.



(४) :- :-

पुनर्गणित स्टाम्पों का नं० :- १०-६१ के ना ३ का (६०), (६०), (६०) दि० ०२४-४-७३

में लिये गये स्टाम्पों के विक्रय एवं के सङ्ग्रह सब हूँ स्टाम्प
एक है । दिनांक २५-४-७३

सही :-

--- ग/ग/क ६० ---





-:- 1 :-
 भारतीय प्रजासत्ताक : - 1950-51 के का 2 का 60, 60, 60 परिवर्तन-संख्या
 के 100 काय 6 परिवर्तन का के बाजार का 6 परिवर्तन
 के 6 । परिवर्तन संख्या-संख्या

का :-
 -- 21/11/51 --

